Name of the Program:SANSKRIT(UG)

PROGRAMME OUTCOMES

1. विद्यार्थियोंकोलेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षताप्राप्तहोगी।
2. आत्मविश्वास से युक्तहोंगे।
3. नैतिक एवंचारित्रिक उन्नतिहोगी।

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

1. संस्कृतभाषा के प्राचीनमहत्व एवंउसकीवर्तमानप्रासंगिकताको समझेंगे।
2. संस्कृतसाहित्य की विभिन्नविधाओं से परिचितहोकरसंस्कृतमर्मज्ञबनेंगे।
3. संस्कृतव्याकरण के विभिन्नअंगोंकाज्ञानप्राप्तकर शुद्ध अध्ययन, लेखन एवंउच्चारण की अभिव्यक्तिकौशलकाविकासहोगा।
4. भारतीय संस्कृति के धर्म, दर्शन, नीतिशास्त्र के मूलतत्वोंकोजानकरउत्तमचरित्रवानहोंगे।

COURSE OUTCOMES

बी0ए0 प्रथमवर्ष

कोर्स–संस्कृतकाव्य औरकाव्यशास्त्र
कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग)

लक्ष्य के प्रतिनिष्ठाहेतु श्रम, तपकामहत्व, संबंधोंकाज्ञान

रघुवंशम् महाकाव्य (प्रथम सर्ग)

सभी के प्रतिसम्मान की भावना, राजाकाप्रजा के प्रतिकर्त्तव्य, जीवों के प्रतिप्रेम

साहित्यदर्पण

काव्य के भेदोंकाज्ञान, लक्षण, प्रयोजनोंकाज्ञान, बुद्धि कौशलकाविकास

कोर्स–व्याकरणअनुवादऔरसंस्कृतसाहित्य काइतिहास
लघुसिद्धान्तकौमुदी

व्याकरण के शुद्ध ज्ञान द्वाराबुद्धि कौशलकाविकास

संस्कृतसाहित्य काइतिहास

प्राचीनरचनाकारों के परिचय एवंसंस्कृतसाहित्य के प्रति रूचिकाविकास

बी0ए0 द्वितीय वर्ष

कोर्स–नाटक, नाट्य साहित्य औरइतिहास
संस्कृतनाट्य इतिहासकापरिचय एवंभारतीय संस्कृतिकाज्ञान

अभिज्ञानशाकुन्तलम्
नैतिक एवंचारित्रिक उत्कृष्टताकाविकास, प्रकृति के प्रतिप्रेमभावनाकाविकाससामाजिकपरिस्थितियोंकाज्ञान, संस्कृतिकाज्ञान

कोर्स–गद्यकाव्य, व्याकरणनिबंध, और गद्य साहित्य कापरिचय
शुकनासोपदेश

राजनीति की शिक्षा

व्याकरण, निबंध

भाषा की रचना से संबंधितकौशलकाविकास

गद्य साहित्य कापरिचय

संस्कृतम गद्य साहित्य काज्ञान, तात्कालिकसंस्कृतिकाज्ञान

बी0ए0 तृतीय वष्ज्ञ

ऋग्वैदिकसूक्तअग्नि, अक्ष संज्ञान

वैदिकदेवताओं के स्वरूपकाज्ञानआत्मस्वरूपकाज्ञान

कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय)

दार्शनिकचेतनाकाविकास, सहीतथ्य की प्राप्तिकरना

महाभारत(यक्ष–युधिष्ठिर संवाद)

सद्असदविवेककाज्ञान, प्राचीनसंस्कृतिकाज्ञान
काव्यदीपिका–अलंकार एवं छंद
काव्य रचनाकौशलकाविकासकाव्य शास्त्रीय सिद्धांतों के ज्ञान से

कोर्स– गद्य काव्य, नीतिकाव्य, व्याकरणऔर छंद
शिवराजविजयम् (प्रथम निश्वास)

ऐतिहासिकनायकों की गौरवगाथाकापरिचय, राष्ट्र के प्रतिस्वाभिमान की भावनाकाविकास

नीतिशतकम्

सत्संगति, परोपकार, विद्या, विनय आदिसद्गुणोंकाचारित्रिक उत्कृष्टताहेतुविकास

संस्कृतव्याकरणकृदन्तप्रत्यय

भाषागतव्याकरणकाज्ञानतथारचनाकौशलविकास

एम0ए0 संस्कृत

1. विद्यार्थियों के लेखन, भाषाकौशलकाविकासहोगा
2. आत्मविश्वासी एवंनेतृत्व क्षमताधारीहोगें।
3. चारित्रिक विकास के साथ–साथभारतीयता के बोध से वैश्विकनागरिक के रूपमेंभावीचुनौतियोंकासामनाकरनेमें सक्षमहोंगे।
1. सर्वाधिकप्राचीनसंस्कृतभाषातथाउसकेसाहित्य से परिचितहोंगे।
2. नाट्य, गद्य, पद्य विभिन्नसाहित्यिकविधाओं के परिचय से कुशललेखन, वाचन, बौद्धिक क्षमताकाविकासहोगा।
3. भारतीय संस्कृति के मूलतत्वोंकोजानकरमानवीय मूल्यों से युक्तहोंगे।
4. शोधपरकदृष्टिकाविकासहोगा।

एम0ए0प्रथम सत्र
वेदउपनिषदशिक्षा एवंवैदिकसाहित्यकाइतिहास

वैदिकइतिहासकाज्ञानदार्शनिकसूक्तों के माध्यम से, संस्कृत शब्दो की उत्पत्ति एवंअर्थज्ञान

भारतीय दर्शन

मानसिक शांति के उपाय, सृष्टि की उत्पत्तिसंबंधितज्ञान, अध्यात्मिकचेतनाकाविकास

नाटिका एवंनाट्यशास्त्र
नाट्यशास्त्र के इतिहास के माध्यम से भारतीय संस्कृतनाटकोंकाज्ञान, नाट्यशास्त्र के मूलसिद्धान्तोंकापरिचय प्राप्तकरना, रंगमंचतथाअभिनय के सूक्ष्म बिन्दुओंकोजानना

गीतिकाव्य एवंगद्यकाव्य
भौगोलिकज्ञान, भारतवर्षमेंमानसून के मेघमार्गकाज्ञान, प्रकृतिप्रेमतथासाहित्य की रचना के कौशलकाविकास

द्वितीय सत्र

संस्कृतमहाकाव्य
संस्कृतपद्य साहित्य से परिचय, पद्य रचनाकारों, महाकाव्यों के इतिहासकाज्ञान, नैतिकज्ञान

संस्कृतकाव्यशास्त्र
संस्कृतकाव्य रचनाहेतुकाव्य के लक्षण, गुणदोष, सिद्धांतोंकापरिचय प्राप्तकरनाविभिन्नसंप्रदायोंकाज्ञान

संस्कृतव्याकरणनिबंध एवंअनुवाद
भाषागतव्याकरणकाज्ञान, भाषा के शुद्ध रूपकोलिखने के कौशलकाविकास

रूपकऔरचम्पूकाव्य
नाटक, प्रकरण, चम्पूकाव्योंकापरिचय प्राप्तकरना, नीतिपरकज्ञान

तृतीय सत्र

संहिता एवंनिरूक्त
वैदिकसंस्कृतिकाज्ञान, वैदिक शब्दों की उत्पत्तितथा उनके अर्थकाज्ञान

ध्वनितथाव्यंजनास्थापना एवंकाव्यशास्त्रीय षट् प्रस्थान
काव्यशास्त्रीय तत्वोंकाज्ञानप्राप्तकरना

भाषाविज्ञान एवंसंस्कृतव्याकरण
वैदिक एवंभारतीय भाषाओं की उत्पत्तितथाविकासकाज्ञान, विभिन्नभाषाओं की विशेषताओंकाज्ञान

प्रायोगिकी एवंमौखिकी
वर्णोंच्चारणविधान, योगासन एवंप्राणायाम, साहित्य से छंदोकासंकलन, 14 माहेश्वरसूत्र एवंउनसेप्रत्याहाररचना, निबंध लेखन, बिब्लोग्राफी

वर्णों के उच्चारणकाज्ञान, योगकाज्ञान, व्याकरणरचनाकाज्ञान, निबंध लेखनकौशलकाविकास

चतुर्थ सत्र

भारतीय दर्शन
सृष्टि की उत्पत्तिसंबंधीज्ञान, आध्यात्मिकचेतनाकाविकास, मानसिक शांति के उपाय

धर्मशास्त्र एवंअर्थशास्त्र
राजनीति के गूढ़ रहस्योंकापरिचय, भारतीय संस्कृतितथा धर्मशास्त्र के इतिहासकाज्ञान

ब्राह्मणप्रातिशाख्य एवंनिरूक्त
वैदिकप्रातिशाख्यों से परिचय,राजाहरिश्चंद्र के साहित्यिकमहत्व से परिचितकराना